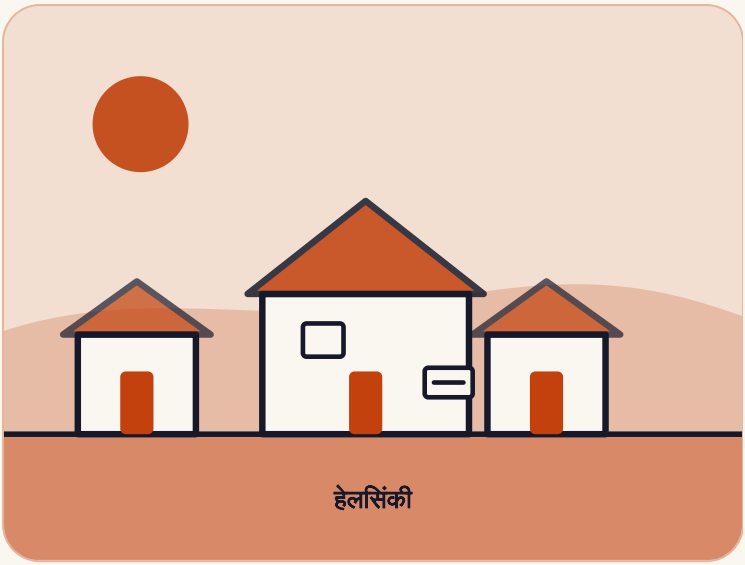

फ़िनलैंड

वह देश जिसने पहले घर दिया

फ़िनलैंड ने बेघर लोगों से कदम-दर-कदम फ़्लैट कमवाना बंद किया। उसने पहले घर दिया।

कहाँ हेलसिंकी

कौन युहा काकिनेन और फ़िनलैंड के वे योजनाकार जिन्होंने ‘पहले घर’ कार्यक्रम बनाया

कब 2008 से आज तक

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

कई सालों तक फ़िनलैंड बेघर लोगों की मदद एक सीढ़ी से करता रहा। पहले आप रैन-बसेरे में सोते थे। फिर आप हॉस्टल में जाते थे। अगर आप अपनी ज़िंदगी सँभाल लेते, तो सबसे ऊपर आपको एक फ़्लैट मिल सकता था।

फिर लोगों ने कुछ देखा। कुल मिलाकर बेघर लोग कम हो रहे थे। लेकिन लंबे समय से बेघर लोगों की संख्या नहीं घट रही थी। सीढ़ी काम नहीं कर रही थी।

पहले घर

इसलिए सरकार ने चार विशेषज्ञों से नए विचार माँगे। वे थे एक समाज-वैज्ञानिक, एक डॉक्टर, एक नेता और एक धर्मगुरु। उनकी रिपोर्ट का नाम था *Nimi Ovessa*। इसका मतलब है "दरवाज़े पर आपका नाम"।

उनका विचार सीधा था। किसी को पहले घर दीजिए, बिना किसी शर्त के। दूसरी परेशानियों में मदद बाद में कीजिए। घर वह नींव है जो बाक़ी सब आसान कर देती है।

> हमने तय किया कि हम बेघरपन को सँभालने की जगह ख़त्म करना चाहते हैं।
>
> युहा काकिनेन, Christian Science Monitor में उद्धृत

2008
जिस साल राष्ट्रीय योजना शुरू हुई

3,500
2008 से 2015 तक बने नए घर

35%
2008 से 2015 तक लंबे समय के बेघरपन में गिरावट

यह विचार नया नहीं था। एक अमेरिकी डॉक्टर, सैम त्सेम्बेरिस, इसे 1990 के दशक में आज़मा चुके थे। नया यह था कि इसे पूरे देश के लिए किया गया। इसे 'हाउसिंग फ़र्स्ट' यानी 'पहले घर' कहते हैं।

दरवाज़े पर नाम

फ़िनलैंड ने ज़्यादातर रैन-बसेरे बंद कर दिए। उसने पुराने हॉस्टलों को फ़्लैटों में बदल दिया। हर व्यक्ति ने किराये का करार किया और किराया दिया, ज़रूरत हो तो सरकारी किराया-मदद के साथ। सहायक कर्मचारी मदद के लिए पास ही रहते थे।

एक किराएदार, तातू आइनेसमा, 30 के आसपास की उम्र के थे। वे खुले में सो चुके थे। वे अपने भाई के सोफ़े पर रह चुके थे। अब हेलसिंकी के पास उनके पास अपना फ़्लैट था। “यह एक बड़ा चमत्कार है,” उन्होंने *Guardian* से कहा।

2015 तक लगभग 3,500 घर तैयार हो चुके थे। हेलसिंकी में सड़क पर सोना लगभग ख़त्म हो गया है। सिर्फ़ एक रैन-बसेरा बचा है।

फ़िनलैंड ने अभी बेघरपन ख़त्म नहीं किया है। सरकार इसे 2027 तक ख़त्म करना चाहती है। बेघर गिने गए कई लोग दोस्तों या परिवार के पास रहते हैं। लेकिन 2019 और 2020 में रिपोर्टों ने कहा कि यूरोपीय संघ में फ़िनलैंड अकेला देश था जहाँ बेघरपन घट रहा था।

कब क्या हुआ

- **1987** फ़िनलैंड की एक सरकारी योजना पहली बार बेघरपन ख़त्म करने को लक्ष्य बनाती है।
- **2008** राष्ट्रीय ‘हाउसिंग फ़र्स्ट’ कार्यक्रम शुरू होता है।
- **2015** 3,500 नए घर बन चुके हैं। लंबे समय का बेघरपन 35% घटा है।
- **2027** बेघरपन ख़त्म करने का सरकारी लक्ष्य।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

यह आम क्रम को पलट देता है। ज़्यादातर व्यवस्थाएँ लोगों से कहती हैं कि घर पाने से पहले ज़िंदगी सुधारो। फ़िनलैंड ने पहले घर दिया।

यह पूरे देश का फ़ैसला था, जिसे एक के बाद एक सरकार ने निभाया। यह किसी एक व्यक्ति की परियोजना नहीं थी।

हमारी राय

फ़िनलैंड ने घर को सुधार की शुरुआत माना, आख़िर में मिलने वाला इनाम नहीं।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 सीढ़ी पर सवाल उठाइए

फ़िनलैंड ने लोगों से कदम-दर-कदम घर कमवाना बंद किया।

यह आज़माएँ: काम या घर में ऐसा एक नियम ढूँढिए जो लोगों से पहले ख़ुद को साबित करवाता है। पूछिए कि क्या वह मदद करता है।

2 पहले एक स्थिर आधार दीजिए

किराएदारों को अपना करार और अपना दरवाज़ा मिला। इससे दूसरी समस्याओं पर काम करना आसान हुआ।

यह आज़माएँ: किसी से बदलने को कहने से पहले एक स्थिर चीज़ दीजिए: साफ़ योजना, तय समय, या शांत जगह।

3 असली चीज़ बनाइए

काकिनेन कहते हैं कि असली घरों के बिना आज़माइशी परियोजनाओं का मतलब कम है।

यह आज़माएँ: कोई नई परियोजना शुरू करने से पहले जाँचिए कि आपके पास असली संसाधन हैं, सिर्फ़ विचार नहीं।

4 सालों तक डटे रहिए

एक के बाद एक सरकार ने योजना जारी रखी।

यह आज़माएँ: एक लंबा लक्ष्य चुनिए। अगले तीन महीनों में से हर महीने का पहला क़दम लिखिए।

साथ ले जाने वाली एक बात

जिस दरवाज़े पर आपका नाम हो, वहीं से सुधार शुरू होता है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

The Guardian
‘It’s a miracle’: Helsinki’s radical solution to homelessness (2019)

The Christian Science Monitor
Finland’s homeless crisis nearly solved. How? By giving homes to all who need. (2018)

RTÉ
How Finland solved its homelessness problem (2020)

CBC
London wants to eradicate homelessness. Here’s how Finland is doing it (2023)

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और ब्योरों में अलग हैं। शीर्षक कहता है कि फ़िनलैंड ने “पहले घर दिया”; वह यह नहीं कहता कि फ़िनलैंड ने बेघरपन ख़त्म कर दिया। गिनती: Christian Science Monitor (2018) लगभग 7,000 बेघर लोग बताता है, जिनमें करीब 5,000 दोस्तों या रिश्तेदारों के पास अस्थायी रूप से रह रहे थे, और तीस साल पहले लगभग 18,000; RTÉ (2020) लगभग 5,500 लंबे समय से बेघर लोग बताता है, ज़्यादातर परिवार या दोस्तों के पास रहते हुए, और एक दशक में लगभग 38% की गिरावट; काकिनेन ने CBC (2023) को बताया कि संख्या लगभग 3,000 थी और दस साल में आधी हो गई। फ़िनलैंड दोस्तों के पास रहने वालों को भी बेघर गिनता है, इसलिए ये आँकड़े उन देशों से तुलनीय नहीं जो ऐसा नहीं करते, और कहानी कोई कुल संख्या नहीं देती। 2008 से 2015 के बीच लंबे समय के बेघरपन में गिरावट 1,345 लोग, यानी 35% है (Christian Science Monitor); Guardian “35% से ज़्यादा” कहता है। मूल लक्ष्य 1,250 नए घर (Christian Science Monitor) या 2,500 (Guardian) था; दोनों कहते हैं कि लगभग 3,500 बने; कहानी कोई लक्ष्य नहीं देती, सिर्फ़ 3,500। लागत: Guardian नए घरों और 300 अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों के लिए 250 मिलियन यूरो बताता है; Christian Science Monitor 3,500 घरों के लिए लगभग 382 मिलियन डॉलर बताता है; कहानी कोई लागत नहीं देती। प्रति व्यक्ति बचत: साल में 15,000 यूरो (Guardian, CBC) या 18,500 डॉलर (Christian Science Monitor, 2011 के एक अध्ययन के हवाले से); कहानी कोई बचत नहीं देती। रुक्किला, हेलसिंकी की वह इकाई जिसका ज़िक्र Guardian में है, नशे या शराब की इजाज़त नहीं देती, जबकि Christian Science Monitor कहता है कि वहाँ कुछ ही

नियम हैं; कहानी उसका वर्णन नहीं करती। उद्धरण Christian Science Monitor से है। तातू आइनेसमा की उम्र Guardian ने 2019 में “इस गर्मी 32 के होंगे” बताई; कहानी 30 के आसपास कहती है। 2027 का लक्ष्य RTÉ और CBC से है और पूरा नहीं हुआ है; बाद के सरकारी आँकड़े जाँचे नहीं गए। “यूरोपीय संघ में अकेला देश जहाँ बेघरपन घट रहा है” 2019 और 2020 की रिपोर्टों का दावा है और अब पुराना हो सकता है। कार्यक्रम का विचार नया नहीं था: अमेरिका में डॉ. सैम त्सेम्बेरिस का पाथवेज़ मॉडल (Christian Science Monitor)। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।